दीपोत्सव की तैयारियां परखने अयोध्या पहुंचे सीएम

सरयू आरती घाट और मंच निर्माण का किया निरीक्षण

लखनऊ/अयोध्या। गोरक्ष पीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी



आदित्यनाथ सोमवार को दीपोत्सव–2026 की तैयारियों का जायजा लेने अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले दीपोत्सव से संबंधित विभिन्न स्थलों पर चल रही तैयारियों का निरीक्षण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने संकटमोचन हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन–पूजन कर प्रदेश की सुख–शांति की कामना की। फिर श्रीराम मंदिर पहुंचकर श्रीरामलला के चरणों में शीश नवाया। मुख्यमंत्री ने अपने दौरे की शुरुआत दीपोत्सव की तैयारियों के निरीक्षण से की। इसके बाद उन्होंने हनुमानगढ़ी मंदिर में विधिवत पूजा–अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की। यहां से निकलकर मुख्यमंत्री श्रीराम मंदिर पहुंचे। उन्होंने श्रीरामलला के दर्शन किए, आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की। इस अवसर पर मंदिर परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को दीपोत्सव–2026 की वर्तमान तैयारियों और आगामी योजनाओं से अवगत कराया। इसके बाद मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर स्थित पीएफसी सभागार पहुंचे, जहां अधिकारियों के साथ दीपोत्सव–2026 की तैयारियों को लेकर बैठक की। दीपोत्सव–2026 की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर रामनगरी पहुंचे। रामकथा पार्क के समीप बने हेलीपैड पर उनका हेलीकॉप्टर उतरा, जहां जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री सीधे रामकथा पार्क पहुंचे और दीपोत्सव से जुड़े विभिन्न कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों की प्रगति परखी। उन्होंने अधिकारियों को आयोजन को भव्य, सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने रामकथा पार्क में दीपोत्सव के लिए चल रहे कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने आयोजन स्थल पर व्यवस्था, निर्माण कार्यों और तैयारियों की स्थिति देखी। अधिकारियों से अब तक पूरे हो चुके कार्यों तथा शेष तैयारियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी काम पूरे कर लिए जाएं, ताकि आयोजन के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था न हो। रामकथा पार्क के बाद मुख्यमंत्री राम की पैड़ी पहुंचे। यहां उन्होंने सरयू आरती घाट का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुविधा और आयोजन से जुड़े इंतजामों को देखा। इसके बाद राम की पैड़ी पर तैयार किए जा रहे मंच का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं पहले से दुरुस्त रखी जाएं। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दीपोत्सव से संबंधित सभी कार्य तय समय पर पूरे हों। घाटों, मार्गों और आयोजन स्थलों पर श्रद्धालुओं को आवागमन, दर्शन तथा अन्य सुविधाओं में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने समन्वय बनाए रखने और तैयारियों की लगातार निगरानी करने पर भी जोर दिया। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री दर्शन–पूजन के लिए रवाना हो गए। इस दौरान कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान एवं अयोध्या जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही सहित जनप्रतिनिधि और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रोली सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचंद्र यादव, चंद्रभानु पासवान, अमित सिंह चौहान और अभय सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष राधेश्याम त्यागी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश पाण्डेय बादल, सभापति सहकारी बैंक धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष संजीव सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

जनगणना भविष्य की विकास योजनाओं को तैयार करने का महत्वपूर्ण आधार

राज्यपाल ने कहा कोई भी व्यक्ति अथवा परिवार जनगणना से छूटने न पाए

लखनऊ,(आज समाचार सेवा)। जनगणना से प्राप्त सटीक आंकड़ों के आधार पर ही विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकताओं का आकलन कर बजट एवं संसाधनों का उचित आवंटन किया जा सकता है। उक्त उद्‌गार सोमवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आज जन भवन में जनगणना–2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि जनगणना भविष्य की विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से तैयार करने का महत्वपूर्ण आधार है। इसलिए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि गणना के दौरान कोई भी व्यक्ति अथवा परिवार छूटने न पाए तथा प्रत्येक जानकारी सही एवं तथ्यपरक रूप में दर्ज की जाए। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि जनगणना का कार्य दो चरणों में संपन्न किया जा रहा है। प्रथम चरण में मकानों की गणना की गयी तथा द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना की जाएगी। उत्तर प्रदेश में स्वगणना का कार्य 16 नवम्बर से 30 नवम्बर– 2026 तक तथा जनसंख्या गणना का कार्य 01 दिसम्बर– 2026 से 04 जनवरी– 2027 तक निर्धारित है। राज्यपाल ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वर्ष 2001 में जब वे गुजरात की शिक्षा मंत्री थीं तब उन्होंने प्रदेश में महिला साक्षरता दर, लिंगानुपात तथा



विद्यालयों में बच्चों की ड्रॉपआउट दर पर विशेष ध्यान दिया था। उस समय महिला साक्षरता दर लगभग 59 प्रतिशत थी तथा छह जनपदों में साक्षरता की स्थिति अत्यंत चिंताजनक थी। इसके प्रमुख कारणों में विद्यालयों की दूरी, बालिकाओं की शिक्षा के प्रति जागरूकता का अभाव तथा सामाजिक सोच जैसी चुनौतियां शामिल थीं। इन परिस्थितियों में छह वर्षों तक निरंतर अभियान चलाकर प्रत्येक गांव में शिक्षकों की नियुक्ति, बच्चों का शत–प्रतिशत नामांकन तथा समय से पाठ्यपुस्तकें, छात्रवृत्ति एवं यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने जैसे प्रयास किए गए। प्रवेश उत्सव के माध्यम से गांव–गांव जनसंपर्क किया गया और अभिभावकों को बच्चों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया गया। इन सामूहिक प्रयासों का परिणाम रहा कि महिला साक्षरता दर में उल्लेखनीय सुधार हुआ और यह लगभग 92 प्रतिशत तक पहुंच गई। उन्होंने कहा कि किसी भी अभियान की सफलता के लिए निरंतर प्रयास एवं सभी की प्रतिबद्धता आवश्यक है। इसके अलावा लिंगानुपात के संबंध में गुजरात के अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि समाज में बालिकाओं के प्रति जागरूकता एवं सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास किए गए। उन्होंने बताया कि आदिवासी क्षेत्रों में जहां प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या अधिक थी, वहीं शिक्षित एवं संपन्न माने जाने वाले कुछ वर्गों में यह अनुपात चिंताजनक रूप से कम था। जागरूकता एवं निरंतर प्रयासों से इसमें सुधार हुआ और लिंगानुपात 994 तक पहुंचा। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में प्रत्येक व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए सटीक आंकड़े आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि यदि इस अभियान के माध्यम से किसी एक जरूरतमंद व्यक्ति को भी उसके अधिकार के अनुरूप आवास अथवा अन्य सुविधा उपलब्ध कराने में सहायता मिलती है, तो यह भी एक महत्वपूर्ण जनसेवा होगी। जनगणना में सहभागिता विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस मौके पर विशेष कार्याधिकारी राज्यपाल अपर मुख्य सचिव स्तर डॉ सुधीर महादेव बोबडे ने कहा कि जनगणना किसी भी राष्ट्र की सामाजिक, आर्थिक एवं जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को समझने तथा भविष्य कीविकास योजनाओं एवं जनकल्याणकारी नीतियों के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव, सामान्य प्रशासन एसबीएस रंगाराव, मंडलायुक्त, लखनऊ विजय विश्वास पंत सहित जनगणना विभाग एवं जन भवन के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीएम ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को किया सम्मानित

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी



आदित्यनाथ ने सोमवार को गोंडा में गौरा और मनकापुर विधानसभा क्षेत्र के कई लाभार्थियों को विकास परियोजनाओं से लाभान्वित करने के साथ सम्मानित किया। मुख्यमंत्री से सम्मान पाकर लाभार्थियों के चेहरे खिल उठे। सभी ने मुख्यमंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लाभार्थियों को मंच से योजनाओं के तहत सहायता राशि, आवास की चाभी और अन्य स्वीकृति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, डेमो कार्ड और उपहार प्रदान किए गए। लाभार्थियों ने सरकार की योजनाओं की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री का आभार जताया। आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थी राम प्रताप को आयुष्मान कार्ड का डेमो देकर सम्मानित किया गया। राम प्रताप ने कहा कि मुख्यमंत्री के हाथों आयुष्मान कार्ड मिलना एक सपने के सच होने जैसा है। इस कार्ड से उन्हें पूरे परिवार की स्वास्थ्य की गारंटी मिली है। अब इलाज की कोई चिंता नहीं रहेगी। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष के तहत संगीता को 85 हजार रुपये का डेमो चेक प्रदान किया गया। उन्होंने इस मदद के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया। इस तरह की मदद हमें संबल देती है। वहीं, घनश्याम को आवास की चाभी सौंपी गई। मुख्यमंत्री की वजह से उन्हें पक्की छत मिल सकी है। परिवार अब सुरक्षित ढंग से रह सकेगा। आजीविका मिशन के तहत रेनू वर्मा को 12 करोड़ रुपये का डेमो चेक दिया गया। उन्होंने कहा कि इस धनराशि से समूह को आगे ले जाने में बड़ी मदद मिलेगी। व मीना को भी आवास की डेमो चाभी मिली। झिनकना देवी को दो लाख रुपये की सहायता का लाभ दिया गया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत बीनू पांडेय को एक लाख 19 हजार रुपये का डेमो चेक देकर स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया गया। मुख्यमंत्री स्वदेशी गो संवर्धन योजना के तहत निर्मला देवी को 50 हजार रुपये की सहायता का चेक प्रदान किया गया। वहीं, मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत रामतीर्थ को सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के लाभार्थी मुस्ताक अहमद को पांच लाख 60 हजार रुपये का डेमो चेक दिया गया। इसके अलावा लकी सिंह को स्टडी टेबल देकर शिक्षा के प्रति उनका उत्साह बढ़ाया गया। योजनाओं का लाभ पाकर लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी साफदिखाई दी। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाएं जरूरतमंदों को आर्थिक संबल देने के साथ ही आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान कर रही हैं। लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन योजनाओं से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

भुगतान से पहले अभिलेखों उपस्थिति और कार्यों का सत्यापन अनिवार्य

लखनऊ। साक्षर भारत योजना से जुड़े कार्मिकों के बकाया मानदेय भुगतान को लेकर योगी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रदेश के 64 जिलों के लिए करीब 397.19 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई है। इससे वर्षों से लंबित भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी और योजना के अंतर्गत कार्य कर चुके जिला एवं ब्लॉक समन्वयकों तथा प्रेरकों को उनका अवशेष मानदेय मिल सकेगा। कार्मिकों के भुगतान को निर्धारित प्रक्रिया और वित्तीय अनुशासन के साथ आगे बढ़ाने की व्यवस्था की गई है। निर्धारित सत्यापन और समयसीमा के साथ भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के निदेशक एवं सचिव अनिल भूषण चतुर्वेदी की ओर से जारी आदेश में साक्षर भारत योजना के अंतर्गत 31 मार्च 2018 तक कार्यरत रहे साक्षरता कर्मियों के अवशेष मानदेय भुगतान के लिए धनराशि आवंटित की गई है।

अनुप्रिया पटेल फिर बनीं अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष



लखनऊ। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अनुप्रिया पटेल को एक बार फिर चुन लिया गया है। वह निर्विरोध पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुईं। इस तरह अनुप्रिया पटेल ने लगातार एक बार फिर पार्टी की कमान संभाल ली है। बता दें कि अनुप्रिया पटेल इस वक्त मोदी सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री है। अनुप्रिया पटेल का जन्म 28 अप्रैल 1981 को कानपुर में हुआ था। उनके पिता डॉ. सोनेलाल पटेल अपना दल के संस्थापक थे और उत्तर प्रदेश में कुर्मी समाज के प्रमुख नेताओं में गिने जाते थे। पिता के निधन के बाद अक्टूबर 2009 में अनुप्रिया पटेल ने राजनीति में कदम रखा और धीरे–धीरे पार्टी में अपनी अलग पहचान बनाई। अनुप्रिया पटेल ने दिल्ली के लेडी श्रीराम कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई की। इसके बाद एमिटी यूनिवर्सिटी से मनोविज्ञान में परास्नातक की डिग्री हासिल की।

सत्ता जाने के डर से भाजपा ने क्रूरता की हदे पार की : अखिलेश

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश



यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार संविधान विरोधी और गैरकानूनी काम कर रही है। भाजपा अपने राजनैतिक विरोधियों के साथ बदले की भावना से अन्याय, अत्याचार कर रही है। संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की हत्या कर रही है। सत्ता जाने के डर से भाजपा ने नाइंसाफी और क्रूरता की हदें पार कर दी है। भाजपा लगातार अन्याय कर रही है। भाजपा संविधान और कानून को नहीं मानती है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा नकारात्मक सोच वाली झूठी और बेईमान पार्टी है। चोरी और बेईमानी से सत्ता में बने रहना चाहती है। भाजपा बिना बेईमानी और चोरी के चुनाव नहीं जीत सकती है। भाजपा की जमीन खिसक चुकी है। भाजपा के नेता झूठ बोलकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। हर विभाग, हर कार्य में लूट मची है। जनता त्रस्त है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की शोषणकारी नीतियों से किसान, छात्र–नौजवान, व्यापारी महिलाएं सभी परेशान है। जनता में भाजपा के प्रति भारी आक्रोश है। प्रदेश की जनता भाजपा को हटाने के लिए तैयार है। उत्तर प्रदेश में परिवर्तन की शुरुआत हो चुकी है। विधान परिषद चुनाव में प्रधानमंत्री जी के क्षेत्र में भाजपा की डबल हार हुई है। उत्तर प्रदेश की जनता विधानसभा चुनाव का इंतजार कर रही है। जिस दिन चुनाव की घोषणा होगी उसी दिन भाजपा हार जाएगी। जनता भाजपा को उसके किये की सजा देगी। भाजपा का हमेशा–हमेशा के लिए सफाया हो जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर सामाजिक न्याय के राज की स्थापना होगी। अन्याय के राज का अंत होगा। सभी को न्याय और सम्मान मिलेगा। किसानों के हित में नीतियां बनायी जाएंगी।

अटल जयंती पर प्रयाग को मिलेगी बड़ी सौगात

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने म्योहार स्थित निर्माणाधीन छह लेन पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना का शेष कार्य निर्धारित समय–सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता, पूर्ण पारदर्शिता और मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए। अधिकारियों से कार्य की प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा निर्माण में तेजी लाने के निर्देश देते हुए पुल के उद्घाटन की समय–सीमा तय की है।श्री मौर्य ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती के अवसर पर इस महत्वपूर्ण पुल को प्रयागराज की जनता को समर्पित करने का लक्ष्य रखा गया है। यह पुल क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने, आवागमन का समय कम करने तथा प्रयागराज और आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के दूरदर्शी विजन और केंद्र एवं प्रदेश सरकार के समन्वित प्रयासों से उत्तर प्रदेश में सड़क एवं पुल निर्माण की परियोजनाओं को नई गति मिली है।

योगी सरकार खरीदेगी 676 राइफल

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश में कानून–व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के साथ पुलिस एवं कारागार व्यवस्था के आधुनिकीकरण पर तेजी से काम कर रही है। योगी सरकार जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाने और जेल वार्डर समेत कारागार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए 676 अत्याधुनिक इंसास राइफल खरीदने जा रही है। प्रशिक्षण और अन्य आवश्यक उपयोग के लिए 58,795 कारतूस भी खरीदे जाएंगे। इस पूरी खरीद प्रक्रिया पर कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं विभाग 14 करोड़ रुपये खर्च करेगा।

आईजीआरएस पर गलत रिपोर्ट लगाने वालों पर करें सख्त कारर्वाई -मुख्यमंत्री

लखनऊ/गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन, सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन किया। लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें आश्वस्त किया कि हर समस्या का प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। जनता दर्शन में कुछ लोगों द्वारा आईजीआरएस (समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली) पोर्टल पर गलत रिपोर्ट लगाए जाने की शिकायत प्रस्तुत करने पर मुख्यमंत्री की भृकुटि तन गई। इसे लेकर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस पर गलत रिपोर्ट लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान देकर समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराया जाए।

जनता दर्शन में अधिकारियों को दिए निर्देश

गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर सोमवार को आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया। सीएम ने समस्या सुनते हुए लोगों को भरोसा दिया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जबरन जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी।

अधिवक्ता के हत्यारोपी गिफ्तार

लखनऊ ।यूपी के जालौन के कालपी में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। कालपी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गयादीन अहिरवार का अपहरण कर हत्या कर दी गई। जमीन के विवाद में कानपुर के एक व्यक्ति ने वकील की हत्या की सुपारी दी थी। पुलिस ने रात भर चले ऑपरेशन के बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर मृतक का शव बरामद कर लिया है, जबकि मुख्य शूटर अभी भी फरार है। घटना थाना कालपी क्षेत्र की है। परिजनों के मुताबिक गयादीन अहिरवार को किसी व्यक्ति ने केस के सिलसिले में बात करने और चाय पीने के बहाने अपनी गाड़ी में बैठा लिया और अपहरण कर ले गया। काफी तलाश के बाद जब वह नहीं मिले तो शाम करीब 6 बजे परिजनों ने पुलिस को सूचना दी।

ग्रामीण संपर्क व्यवस्था को मिली मजबूती-पासवान

लखनऊ। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के राज्यमंत्री कमलेश पासवान ने उत्तर प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के स्टॉल का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से प्रदेश में संचालित ग्रामीण सड़क निर्माण, उन्नयन और अनुरक्षण कार्यों की जानकारी प्राप्त की। विभाग के प्रदर्शन और उपलब्धियों की सराहना करते हुए उप मुख्यमंत्री एवं ग्राम्य विकास मंत्री केशव प्रसाद मौर्य के प्रयासों की प्रशंसा की।श्री पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने का संकल्प तेजी से साकार हो रहा है। केशव प्रसाद मौर्य की मेहनत, लगन और जनता के प्रति समर्पित भाव से उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों को गति मिली है। ग्रामीण सड़कों को गुणवत्तापूर्ण, टिकाऊ, उन्नत और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों ने प्रदेश को देश में अग्रणी स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।केंद्रीय राज्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी शिव सहाय अवस्थी के कार्यों की भी सराहना की।प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पीएमजीएसवाई का उद्देश्य पात्र ग्रामीण बसावटों को सर्वमौसम सड़क संपर्क उपलब्ध कराना तथा ग्रामीण सड़कों का उन्नयन करना है। उत्तर प्रदेश में योजना के अंतर्गत सड़क निर्माण के साथ–साथ गुणवत्ता नियंत्रण, नियमित अनुरक्षण और तकनीकी निगरानी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ई–मार्ग जैसी डिजिटल प्रणालियों के माध्यम से सड़कों के रखरखाव कार्यों की निगरानी को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। बेहतर ग्रामीण सड़कें किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने, विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थानों तथा ग्रामीण नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं तक सुगम पहुंच उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इससे रोजगार, व्यापार और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलता है। वाइब्रेंट गोरखपुर–2026 में अभिकरण के कार्यों को मिली सराहना उत्तर प्रदेश में ग्रामीण आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाने तथा गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करती है।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि की अर्जी खारिज

लखनऊ। राजधानी में आज एमपी/एमएलए मामलों के विशेष मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा ने राहुल गांधी व पांच अन्य लोगों के विरुद्ध चल रहे मानहानि के मुकदमे में वादी अधिवक्ता नृपेंद्र पांडे द्वारा दी गयी एक अर्जी को निरस्त कर दिया।बताते चलें कि वादी द्वारा अर्जी देकर मांग की गई थी कि सभी आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा चलाने के लिये सक्षम अधिकारी को निर्देश देकर अभियोजन स्वीकृति मांगी जाये।इस मामले में न्यायालय के समक्ष वादी अधिवक्ता नृपेंद्र पांडे ने सांसद राहुल गांधी व मल्लिकार्जुन खड़गे एवं श्रीमती सोनिया गांधी और केसी वेणु गोपालन तथा श्रीमती प्रियंका वाड्रा सहित जयराम रमेश के खिलाफ 9 सितंबर 2025 को वाद दाखिल किया था।जिसमें वादी एवं उसके गवाह अभिषेक मिश्रा व अंकित मिश्रा के बयान दर्ज कराये गए थे।जिसके बाद प्रस्तावित आरोपियों के अधिवक्ता प्रांशु अग्रवाल ने आपत्ति दाखिल कर बताया कि अभियोजन स्वीकृत के अभाव में मुकदमा नहीं चलाया जा सकता तथा इसी स्तर पर वाद खारिज करने की मांग की थी।वादी द्वारा पुन:अर्जी प्रस्तुत कर अनुरोध किया गया कि वह सक्षम अधिकारी को निर्देश दें कि वह आरोपियों के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति प्रदान करके न्यायालय को सूचित करें। न्यायालय ने अर्जी खारिज करते हुये कहा कि यदि परिवादी को लगता है कि उसके परिवाद को विपक्षी गण के विरुद्ध चलाये जाने हेतु सक्षम प्राधिकारी से अभियोजन हेतु पूर्व स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है तो यह स्वयं उसी का दायित्व है कि वह ऐसी स्वीकृति प्राप्त करने हेतु सक्षम प्राधिकारी के समक्ष आवेदन करे।न्यायालय ने वादी द्वारा दी गई 5 सितंबर 2026 की इस अर्जी को खारिज करते हुये कहा है कि इस प्रकार का आदेश देकर अभियोजन स्वीकृत मांगने का क्षेत्राधिकार मात्र संवैधानिक न्यायालयों को है तथा यदि इस तरह का कोई आदेश पारित किया जाता है तो वह एक पक्ष को लाभ पहुंचना होगा।अदालत ने वादी के इस अनुरोध को भी सिरे से खारिज कर दिया कि प्रस्तावित अभियुक्त के विरुद्ध सम्मन जारी किए जाने हेतु कोई मामला बनता है या नहीं। इस संबंध में कोई भी सम्मन या तलबी आदेश पारित किए जाने के समय ही निश्चित किया जा सकता है। उससे पूर्व निर्णय नहीं लिया जा सकता।

वादी ने राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, केसी वेणु गोपालन, प्रियंका वाड्रा , जयराम रमेश के खिलाफ दी थी अर्जी

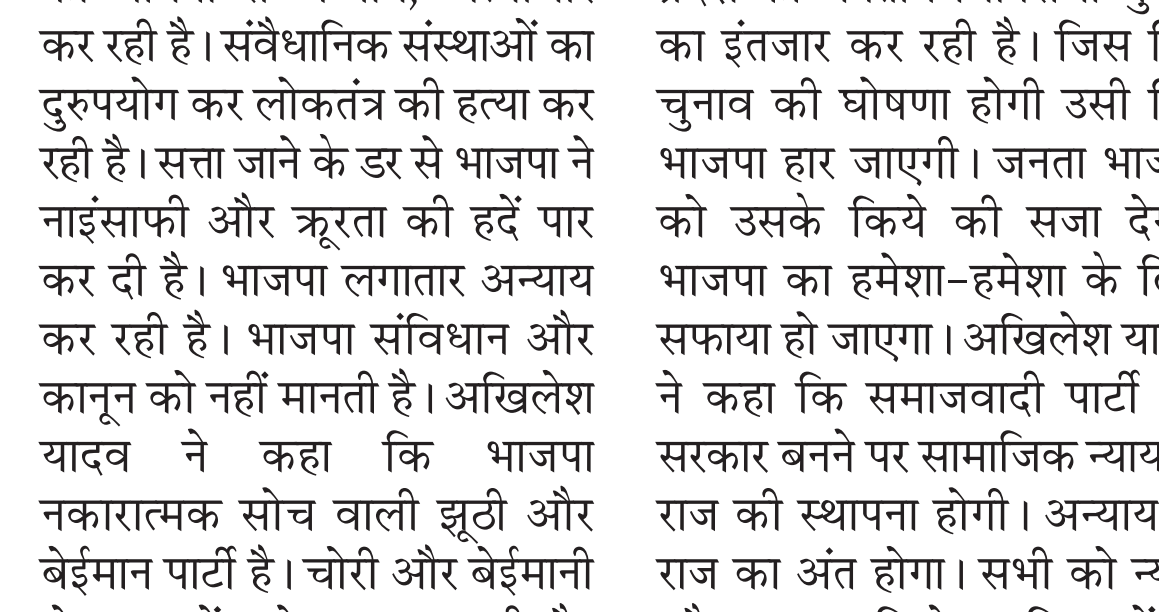
जाति प्रमाण पत्र जारी करने की मांग को लेकर धनगर समाज का प्रदर्शन

लखनऊ। राजधानी में सोमवार को धनकर समाज ने विरोध प्रदर्शन किया। हजरतगंज स्थित विधायक निवास से विधानसभा के घेराव करने निकले। 50 मीटर के बाद पुलिस ने रोक लिया। लेबर पार्टी (एस) के बैनर तले प्रदेश के विभिन्न जनपदों से कार्यकर्ता पदाधिकारी जमाहुए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मंत्री असीम अरुण को बर्खास्त करो, घनगर जाति प्रमाण पत्र जारी करो के नारे लगाए। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी धनगर ने कहा कि हमारे समाज के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। हम लोग साजिश के शिकार हैं। पिछले 36 सालों से हम अपने समाज की लड़ाई लड़ रहे हैं। कई दालों की सरकार आई और चली गई मगर किसी ने भी हमारी बात नहीं सुनी। उत्तर प्रदेश शासन में बैठे लोग जानबूझकर धनगर को हिंदी में कभी धांगर, कभी धंगर और धंगड़ लिखकर भ्रम की स्थिति पैदा कर रहे हैं। मगर घनगर जाति प्रमाण की लड़ाई रुकने वाली नहीं है।

भाजपा कार्यकर्ताओं को दिया गया चुनावी तैयारी का मंत्र

संकुल प्रकोष्ठ की बैठक में धर्मपाल सिंह ने कहा सम्पर्क, संवाद व समन्वय के माध्यम से लोगों से जुड़ें

लखनऊ,(आज समाचार सेवा)। प्रकोष्ठों के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक भाजपा की विचारधारा व संगठनात्मक अभियान एवं कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाना है। उक्त उद्‌गार सोमवार को भारतीय जनता पार्टी प्रकोष्ठ संकुल की प्रदेश भाजपा मुख्यालय में हुई बैठक को सम्बोधित करते हुए भाजपा प्रकोष्ठ संकुल के राष्ट्रीय समन्वयक वीडी शर्मा ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी 18 करोड़ सदस्यों के साथ विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल है और प्रकोष्ठ संकुलों का दायित्व सर्वव्यापी भाजपा को सर्वस्पर्शी भाजपा बनाने का है। उन्होंने सभी संकुल प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की केन्द्र सरकार एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की प्रदेश भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा



ऐतिहासिक निर्णयों को आम जनता तक पहुंचाने का काम करना है। श्री शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को प्रकोष्ठ संकुलों का दायित्व सौंपा गया है। इन सभी को शिक्षकों, चिकित्सकों, अधिवक्ताओं, व्यापारियों, दुग्ध उत्पादकों, नगर निकाय एवं पंचायत के जनप्रतिनिधियों, स्पोर्टस से जुड़े युवाओं, रेहड़ी पटरी विकेताओं, वरिष्ठ नागरिकों, सहकारिता क्षेत्र सहित समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सम्पर्क और संवाद स्थापित करना है। इन वर्गों को भाजपा से जोड़ते हुए एसआईआर सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे निगेटिव नेरेटिव का तथ्यात्मक जवाब देने वाले वर्ग को तैयार करना है और जनसमर्थन प्राप्त करना है। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को दायित्व के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकोष्ठ संकुलों के माध्यम से उन्हें उत्तर प्रदेश के बड़े व्यापक क्षेत्र में विभिन्न वर्गों के बीच संगठनात्मक कार्य करने का महत्वपूर्ण अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में प्रकोष्ठ संयोजक के दायित्व के साथ ही सभी को भाजपा नेता और कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय भूमिका निभानी है। उन्होंने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण के काम में भी सभी को सक्रिय सहभागिता निभानी है। युवाओं, महिलाओं तथा अन्य सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने का काम करना है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता बनने से वंचित ना रहे। बैठक में प्रकोष्ठ संकुल प्रदेश समन्वयक ओम प्रकाश श्रीवास्तव, प्रदेश सहसमन्वयक संतराम यादव एवं मिथिलेश त्रिपाठी की उपस्थिति में प्रदेश के 24 प्रकोष्ठ संकुलों के प्रदेश संयोजक, प्रदेश सहसंयोजक एवं सदस्यों ने संगठनात्मक मार्गदर्शन प्राप्त किया।